Date:- 30.04.20

सकल राष्ट्रीय उत्पाद अथवा कुल राष्ट्रीय उत्पत्ति (Gross National product or GNP)

B.A. (Hons)

Dr. Dineshwar Paswan
Assistant professor
Deptt. of Economics
MLS College, Sarisab-pahi, (Madhubani)
Mob:- 997359 8631

परिभाषा (Definition):- "किसी भी देश में एक वर्ष की अवधि में उत्पादित समस्त अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के बाजार मूल्यों के कुल योग को सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) कहते हैं।" किसी भी देश की वार्षिक उत्पादन क्षमता का द्योतक है और वस्तु-प्रवाह (Goods Flow) को व्यक्त करता है। सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) में केवल अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं (Final goods and Services) के बाजार मूल्यों को ही जोड़ा जाता है; और अर्द्धनिर्मित वस्तुएं एवं सेवाओं के मूल्यों को नहीं जोड़ा जाता, क्योंकि अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं तो अंतिम उपभोग के लिए है, उनका पुनः विक्रय अथवा पुनः उत्पादन में प्रयोग नहीं होता. जबकि अर्द्धनिर्मित वस्तुओं एवं सेवाओं का अभिप्राय ऐसी वस्तुओं एवं सेवाओं से है जो पुनः विक्रय की जाती हैं अथवा पुनः उत्पादन में काम आती हैं।

अर्थव्यवस्था में अनेक प्रकार की वस्तुयें एवं सेवायें उत्पादित होती हैं और उन्हें अलग-अलग इकाइयों में व्यक्त किया जाता है। जैसे - लोहा-इस्पात टनों में, दूध लीटर में, कपड़ा मीटर में, विद्युत उत्पादन किलोवाट में, तो सड़क निर्माण किलोमीटर में और सेवायें घंटों एवं दिनों में व्यक्त की जाती है। अतः इन अलग-अलग इकाइयों का समग्र जोड़ करना कठिन होने से सभी वस्तुओं एवं सेवाओं को मुद्रा के सामान्य मापदंड: व्यक्त करने के लिए बाजार मूल्यों में मापा जाता है। तथा सभी प्रकार की अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं की मात्रा को उनके बाजार मूल्यों से गुणा करके सभी के बाजार मूल्यों का जोड़ ही सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) है।

P.T.O

Scanned with CamScanner

सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) के विशेषतायें :—

(1.) अन्तिम वस्तुओं एवं सेवाओं के बाजार मूल्यों का योग :— सकल राष्ट्रीय उत्पाद में केवल अन्तिम वस्तुओं एवं सेवाओं के बाजार मूल्यों का योग किया जाता है और अर्द्धनिर्मित वस्तुओं एवं सेवाओं का मूल्य नहीं जोड़ा जाता।

(2) केवल आर्थिक क्रियाओं का समावेश :— GNP में केवल आर्थिक क्रियाओं का ही मूल्य जोड़ा जाता है जो विनिमय एवं मुद्रा के मापदंड की परिधि में आती हैं। जैसे अनेक पारिवारिक स्नेह, देश-प्रेम एवं भावावेश से प्रेरित वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन मूल्य GNP में नहीं जोड़ा जाता जैसे- पत्नी की सेवायें, किचन गार्डन की सब्जियाँ आदि राष्ट्रीय आय में नहीं आती। इसी प्रकार हस्तांतरण भुगतान (Transfer payments) जैसे- पेन्शन, बेरोजगारी का भुगतान भूतकाल (past time) की सेवाओं के लिए प्राप्त आय है इसी प्रकार सरकार द्वारा उस वर्ष के दौरान बिना आर्थिक क्रिया के किये गये भुगतान; जैसे— छात्रवृत्ति, आर्थिक सहायता, बेरोजगारी भत्ता आदि भी GNP में नहीं जोड़े जाते। इसी प्रकार सरकार द्वारा सार्वजनिक ऋणों पर चुकाया गया ब्याज भी GNP में नहीं जोड़ा जाता क्योंकि यह वर्तमान में उत्पन्न आय, उत्पादन का प्रतिफल नहीं है।

(3) केवल एक वर्ष के दौरान उत्पादित वस्तुयें एवं सेवायें ही GNP में शामिल होती हैं।

(4) हस्तांतरण भुगतान, पूँजीगत लाभ एवं हानि तथा अवैध गतिविधियाँ नहीं जोड़ते — जैसे ब्लैक मार्केटिंग, तस्करी, चोरी आदि से अर्जित आयों को सकल राष्ट्रीय उत्पाद में नहीं जोड़ा जाता।

(5) सकल राष्ट्रीय उत्पाद की गणना मुद्रा के रूप में की जाती है क्योंकि मुद्रा ही समस्त वस्तुओं एवं सेवाओं के मापने का सामान्य मापदण्ड है।

(6) सकल राष्ट्रीय उत्पाद की गणना तीन अलग-2 दृष्टिकोणों के आधार पर की जाती है, किन्तु सभी में सकल राष्ट्रीय उत्पाद का मूल्य समान रहता है। जैसे- GNP = GNI = GNE की समानता।

Scanned with CamScanner